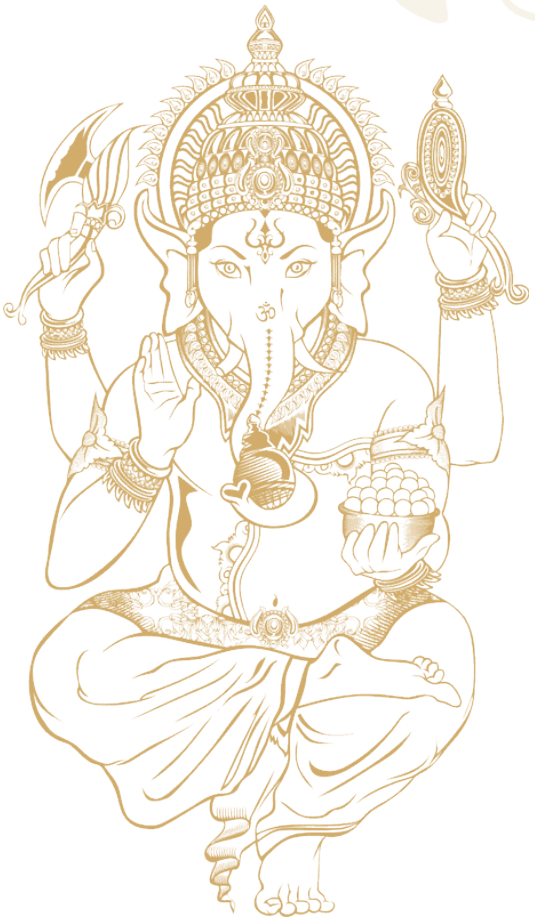

Mr.

13 Dec 2025

07:00 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 120567902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/12/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	29:20:05 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:33:28 घंटे
वेलान्तर	00:05:48 घंटे
साम्पातिक काल	00:03:25 घंटे
सूर्योदय	07:15:58 घंटे
सूर्यास्त	17:25:44 घंटे
दिनमान	10:09:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	27:34:12 वृश्चिक
लग्न के अंश	19:55:43 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सौभाग्य
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:55:43	312:32:32	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			वृश्चि	27:34:12	01:01:01	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	16:39:40	12:05:07	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	04:27:33	00:45:09	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	07:49:11	01:17:21	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	29:17:33	00:05:54	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	21:46:45	01:15:31	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	सम राशि
शनि			मीन	01:08:58	00:01:39	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	18:49:57	00:02:10	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	18:49:57	00:02:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:20:05	00:02:15	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:09:16	00:00:06	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:58:45	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	06:42:42	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:15

लग्न-चलित

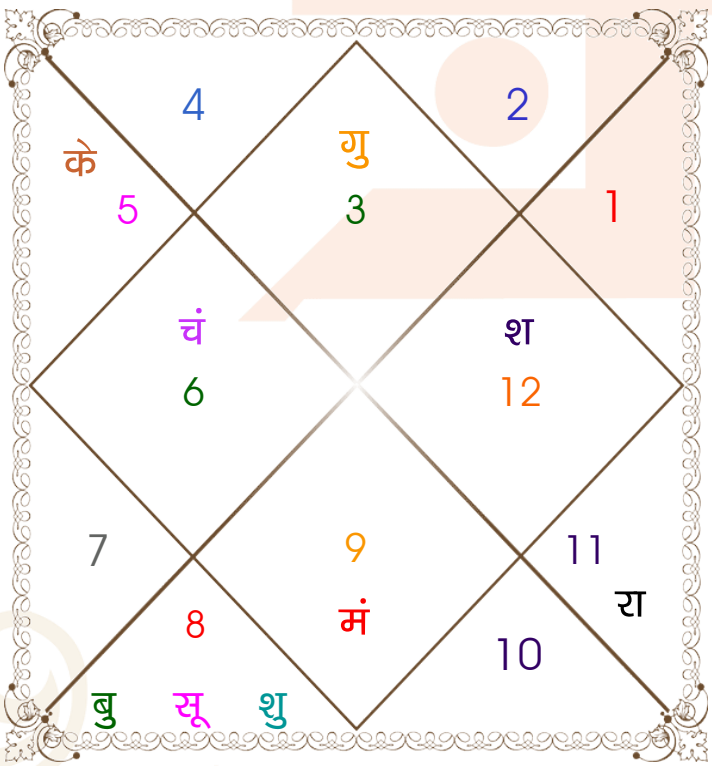

चन्द्र कुंडली

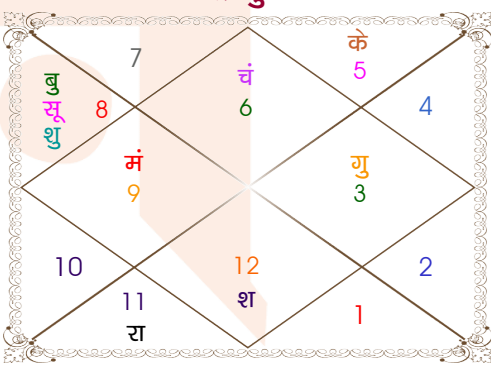

नवमांश कुंडली

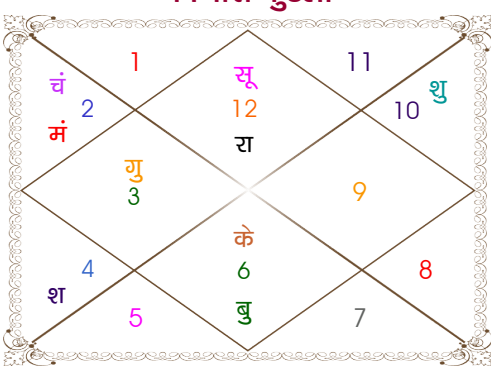

HARE KRISHNA ASTRO
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 0 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/12/2025		15/12/2030		15/12/2037		15/12/2055		15/12/2071	
15/12/2030		15/12/2037		15/12/2055		15/12/2071		15/12/2090	
	00/00/0000	मंगल	13/05/2031	राहु	27/08/2040	गुरु	02/02/2058	शनि	18/12/2074
	00/00/0000	राहु	31/05/2032	गुरु	21/01/2043	शनि	15/08/2060	बुध	27/08/2077
	00/00/0000	गुरु	07/05/2033	शनि	27/11/2045	बुध	21/11/2062	केतु	06/10/2078
	13/12/2025	शनि	15/06/2034	बुध	15/06/2048	केतु	28/10/2063	शुक्र	06/12/2081
शनि	15/10/2026	बुध	13/06/2035	केतु	03/07/2049	शुक्र	28/06/2066	सूर्य	18/11/2082
बुध	16/03/2028	केतु	09/11/2035	शुक्र	03/07/2052	सूर्य	16/04/2067	चंद्र	18/06/2084
केतु	15/10/2028	शुक्र	08/01/2037	सूर्य	28/05/2053	चंद्र	15/08/2068	मंगल	28/07/2085
शुक्र	15/06/2030	सूर्य	16/05/2037	चंद्र	27/11/2054	मंगल	22/07/2069	राहु	03/06/2088
सूर्य	15/12/2030	चंद्र	15/12/2037	मंगल	15/12/2055	राहु	15/12/2071	गुरु	15/12/2090

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/12/2090		16/12/2107		16/12/2114		16/12/2134		16/12/2140	
16/12/2107		16/12/2114		16/12/2134		16/12/2140		00/00/0000	
बुध	13/05/2093	केतु	13/05/2108	शुक्र	17/04/2118	सूर्य	05/04/2135	चंद्र	16/10/2141
केतु	10/05/2094	शुक्र	14/07/2109	सूर्य	17/04/2119	चंद्र	04/10/2135	मंगल	17/05/2142
शुक्र	10/03/2097	सूर्य	18/11/2109	चंद्र	16/12/2120	मंगल	09/02/2136	राहु	16/11/2143
सूर्य	14/01/2098	चंद्र	19/06/2110	मंगल	15/02/2122	राहु	03/01/2137	गुरु	17/03/2145
चंद्र	16/06/2099	मंगल	16/11/2110	राहु	14/02/2125	गुरु	22/10/2137	शनि	14/12/2145
मंगल	13/06/2100	राहु	04/12/2111	गुरु	16/10/2127	शनि	04/10/2138		00/00/0000
राहु	31/12/2102	गुरु	09/11/2112	शनि	16/12/2130	बुध	10/08/2139		00/00/0000
गुरु	07/04/2105	शनि	19/12/2113	बुध	16/10/2133	केतु	16/12/2139		00/00/0000
शनि	16/12/2107	बुध	16/12/2114	केतु	16/12/2134	शुक्र	16/12/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 0 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।